केस स्टडी

जिला छतरपुर ब्लॉक नौगावं

नाम	हरनारायण श्रीवास
पता	ग्राम पंचायत पुतरया
उम्र	45
जाति	अन्य पिछडा वर्ग
व्यवसाय	खेतीहर मजदूर
शिक्षा	12

मेरा नाम हरनारायण श्रीवास है। मैं जिला छतरपुर के ब्लॉक नौगावं की ग्रम पंचायत पुतरया में रहता हूँ। मैरे परिवार में मेरे साथ मेरी माताजी, पत्नी, दो लडके और दो लडकी सहित हम कुल 7 सदस्य रहते है। मेरा और मैरे परिवार का मुख्य रोजगार खेतीहर मजदूरी है और दुसरा काम बेलदारी मतलब भवन निर्माण कार्य करना है। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण लडकों को शिक्षा ठीक से नहीं दिलवा सका क्योकि मैरे अकेले की मजदूरी से होने वाली आमदनी पर परिवार का गुजारा नहीं हो पा रहा था।

आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण किसी माह में कई–कई दिन तक तो दो वक्त की रोटी भी नसीब नहीं होती थी। शासन से मिलने वाले गरीब परिवारों के लिए ना तो योजनाओं की जानकारी थी और ग्रम पंचायत के सरपंच और सचिव इस काम मे सहयोग भी नहीं करते थे। मैं कौन सी और कैसे सरकारी योजनाओं का फायदा ले सकुँ ना तो मुझे और ना ही हमारे समुदाय में किसी को इसकी कोई जानकारी थी। जानकारी लेने जाए भी तो कहॉ इसका कोई रास्ता भी नहीं मालुम था। आखिर रोज कमाना और रोज खाना जो पडता था।

इसी बीच महिला श्रम सेवा न्यास हमारे गावं में काम करने आया। जनपद पंचायत एंव जिला स्तर पर भी कई प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया और हमें बुलाया गया। विभिन्न प्रकार की शासन के द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में जानकारी दी इससे हमें जानकारी मिली। संस्था द्वारा इतना ही नहीं योजनाओं से जुड़ने व लाभ को पाने के लिए जो कागजाद चाहिए और इसकी प्रक्रिया के बारे में बताते हुए सम्बन्धित विभाग के अधिकारीयों के साथ भी हमारा तालमेल बैठाया। महिला श्रम सेवा न्यास के सहयोग के परिणाम स्वरूप आज मैरें पास मैरे काम की पहचान का परिचय–पत्र (मुख्यमंत्री खेतीहर मजदूर सुरक्षा कार्ड) और गरीबी रेखा का कार्ड (बीपीएल) है। जिस पर मैरे परिवार की खाद्यान्य पर्ची बनी और आज राशन की दुकान से मुझे हर माह 35 किलों अनाज, कैरोसीन और नमक सस्ते दाम पर दिया जाता है।

संस्था एक फायदे अनेक